

आवास, निवास स्थान, स्थान वि. (अर.) 1. उपयुक्त, ठीक, सटीक 2. बिल्कुल, पूरा-पूरा।

ऐनक स्त्री. (अर.) आँखों की शक्ति बढ़ाने वाला यंत्र, चश्मा।

ऐनिस्थेटिक विं. (अं.) चिकि. संवेदनारहित करने वाली औषधि, बेहोश करने वाली दवा।

ऐपन पुं. (तद्.) पूजा और मांगलिक कार्यों में रंगोली, चतुष्कोण आदि बनाने के लिए तैयार किया गया विशेष प्रकार का लेप जो चावल और हल्दी को पीसकर बनाया जाता है जिसे लोकभाषा में 'अरिपन' भी कहते हैं।

ऐफिडेबिट पुं. (अं.) विधि. किसी वाद के प्रारंभ में न्यायालय में या अन्यत्र प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ पत्र या हलफनामा।

ऐब पुं. (अर.) 1. दोष, दूषण, अवगुण, दुर्व्यसन 2. पाप 3. त्रुटि, गलती।

ऐबदार वि. (अर.) 1. दोषयुक्त, अवगुणी, पापी, दुष्ट 2. त्रुटियुक्त, विकलांग।

ऐबी वि. (अर.) 1. दुर्व्यसनी 2. दोषयुक्त।

ऐबोहुर पुं. (अर.+फ़ा) बुराई और अच्छाई का सम्मिश्रण, गुणदोष, बुराई और अच्छाई।

ऐम्पियर पुं. (अं.) भौ. विद्युत धारा की तीव्रता की इकाई।

ऐयार वि. (अर.) 1. धूर्त, छली 2. तिलस्मी कथाओं में ऐसा पात्र जो चालाकी से अनोखे काम करता हो पुं. गुप्तचर, जासूस।

ऐयारी स्त्री. (अर.) धूर्तता, ठगी, छल, गुप्तचरी, जासूसी।

ऐयाश वि. (अर.) विलासी, बहुत ऐश-आराम करनेवाला, भोग-विलास में रत, विषयासक्त 2. कामुक, लंपट, इंद्रियलोलुप।

ऐयाशी स्त्री. (अर.) ऐयाश होने की अवस्था या भाव, भोग-विलास में लिप्त रहने की स्थिति। दे. ऐयाश

ऐरन पुं. (तद्.) लोहे का एक छोटा उपकरण जिस पर सोना रखकर स्वर्णकार हथोड़ी से धीरे-धीरे पीटकर सोने को बड़ा और चौड़ा करता है।

ऐरागैरा वि. (अर.) 1. ऐसा-वैसा, तुच्छ, नगण्य, निकृष्ट 2. बेगाना, अजनबी, जिससे कुछ वास्ता न हो मुहा. ऐरागैरा नत्थू-खैरा- जिसकी कोई हैसियत न हो, साधारण व्यक्ति, तुच्छ।

ऐराब पुं. (अर.) शतरंज के खेल में 'शह' बचाने के लिए बादशाह और शह देने वाले मोहरे के बीच में रखा जाने वाला मोहरा।

ऐरावत पुं. (तत्.) 1. इंद्र का हाथी 2. बिजली से प्रदीप्त बादल 3. इंद्रधनुष।

ऐरावती स्त्री. (तत्.) 1. रावी नदी का पुराना नाम 2. म्याँमार की इरावती नदी।

ऐरेय पुं. (तत्.) एक प्रकार की मदिरा।

ऐरोमैटिक रसायन पुं. (अं+तत्.) रसा. कार्बनिक रसायन शास्त्र की वह शाखा जिसमें ऐरोमैटिक यौगिकों का विस्तृत अध्ययन किया जाता है।

ऐल पुं. (तत्.) 1. इला का पुत्र, पुरुखा (तद्.) 1. अधिकता 2. कोलाहल ।

ऐलक स्त्री. (तद्.) चालनी, पिसी वस्तु के मोटे-पतले अंश को छानकर अलग करने का जालीदार उपकरण। (तद्.) न्यूनतम कपड़े पहनने वाला (जैन) श्रावक।

ऐलान पुं. (अर.) सार्वजनिक घोषणा, सूचना, मुनादी।

ऐलिफैटिक यौगिक पुं. (अं+तत्.) रसायन कार्बनिक यौगिक जिसमें कार्बन परमाणुओं की रेखाएँ होती हैं न कि वलय।

ऐलुमिनीकरण पुं. (अं+तत्.) लोहा या इस्पात पर एलुमिनियम की फुहार करने की क्रिया।

ऐल्बम पुं. (अं.) डाक-टिकट आदि दुर्लभ सामग्री को संग्रह कर सुरक्षित रखने वाली कॉपी।

ऐल्लक पुं. (प्रा.) जैनसाधु जो वरिष्ठ हो टि. छोटे जैन साधु को 'क्षुल्लक' कहते हैं।